REPORT OF THE DEPARTMENT-RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON LABOUR AND WELFARE

MIRZA ABDUL RASHID (Jammu and Kashmir): Sir, I lay on the Table a copy each (in . English and Hindi) of the following Reports of the Standing Committee on Labour and Welfare:

(i) Seventh Report on 'The Trade Unions (Amendment) Bill, 2000.

(ii) Eighth Report on Action Taken by the Government on the recommendations/observations contained in the Third Report of the Standing Committee on Labour and Welfare (Thirteenth Lok Sabha) on Ministry of Labour-Demands for Grants-2000-2001.

(iii) Ninth Report on Action Taken by the Government on the recommendations/observations contained in the Fourth Report of the Standing Committee on Labour and Welfare (Thirteenth Lok Sabha) on Ministry of Social Justice and Empowerment-Demands for Grants-2000-2001.

(iv) Tenth Report on Action Taken by the Government on the recommendations/observations contained in the Fifth Report of the Standing Committee on Labour and Welfare (Thirteenth Lok Sabha) on Ministry of Tribal Affairs-Demands for Grants-2000-2001.

Re. Non-Payment of Wages to Workers

श्री मोहम्मद आज़म खान (उत्तर प्रदेश): सभापति जी, ट्रेटको मिल, कानपुर के सैकड़ों मजदूर इस समय खुली सड़क पर पड़े हैं। सरकार की तरफ से एक जुमला आ जाये। 8 महीने से उनको तनख्वाह नहीं मिली है। वे सड़क पर उद्योग भवन के पास पड़े हैं। तो कम-से-कम सरकार इतना बतला दे कि उनकी 8 महीने की तनख्वाह वह देगी या नहीं देगी? मान्यवर, हम मिल चलने की मांग नहीं कर रहे हैं, मिल के बारे में क्या पॉलिसी है, यह बात नहीं कर रहे हैं, हम इतना चाहते हैं कि सरकार एक महीने का समय दे दे और 8 महीने की तनख्वाह जो केन्द्र सरकार को देनी है वह दे दे क्योंकि यह केन्द्र सरकार का कारखाना है, उत्तर प्रदेश का नहीं है ...**(व्यवधान)**... ये लोग ऐसे जाड़े मे पड़े हैं।

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, यह केन्द्र सरकार की नीति है ...**(व्यवधान)**... 8 सौ लोग भूख से बिलबिला रहे हैं। जॉर्ज साहब, आप श्रमिकों के हितों की रक्षा करते रहे हैं, आप आश्वासन दीजिए। ...**(व्यवधान)**...रक्षा मंत्रालय इसे ले ले तो यह कंपनी बच सकती है। 8 सौ लोग भूख से बिलबिला रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... उनको भूख से बचाया जा सकता है।